दिसम्बर 2020
वर्ष 12 सं. 12

भारतीय वानिकी अनुसंधान
एवं शिक्षा परिषद्

वानिकी समाचार

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ सं.
अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस	01
विश्व मृदा दिवस 2020	01
महत्त्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष	02
परामर्श	02
वेबिनार / संगोष्ठी / बैठकें	03
प्रशिक्षण	04
समझौता ज्ञापन	06
मानव संसाधन समाचार	06

श्री ए. एस. रावत, भा.व.से., भा.वा.अ.शि.प. के महानिदेशक

श्री ए. एस. रावत, भा.व.से., (झारखंडः 1986) ने 03 दिसंबर 2020 की पूर्वाह्न महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून का पद ग्रहण किया।

विश्व मृदा दिवस 2020

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर ने 5 दिसंबर 2020 को डिजिटल रूप से विश्व मृदा दिवस 2020 मनाया। संयुक्त राष्ट्र ने एफ.ए.ओ. द्वारा निर्धारित विषय "Keep Soil Alive, Protect Soil Biodiversity" पर फेसबुक के माध्यम से एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस

हि.व.अ.सं., शिमला और व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर ने 11 दिसंबर 2020 को अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस मनाया।

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर ने अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस मनाया

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर ने विश्व मृदा दिवस मनाया

महत्त्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- 'वन आनुवंशिक संसाधनों पर उत्कृष्टता केन्द्र निर्माण' परियोजना वन आनुवंशिकी संसाधनों के संरक्षण एवं विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के अन्तर्गत 2000 प्रतिदर्शों को डिजीटलीकृत किया गया तथा डिजिटल पादपालय प्रतिदर्श आंकडा–संचय में शामिल किया गया। हरिद्वार और देहरादून से चयनित वन आनुवंशिक संसाधन प्रजातियों के लिए पादप प्रतिदर्श और पुनर्जनन आंकड़े भी एकत्रित किए गए।
- कैम्पा तथा प.व.ज.प.मं. द्वारा पोषित एक अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना, 'कम ज्ञात वन पादपों के औद्योगिक उपयोग के लिए जैवपूर्वेक्षण' में *क्यूप्रेसस टोरुलोसा, पुनिका ग्रेनाटम* और *प्रिंसेपिया यूटिलिस* की आबादी का सर्वेक्षण किया गया। उत्तरकाशी और ऊपरी यमुना के वन प्रभागों का दौरा किया गया और *क्यूप्रेसस टोरुलोसा* की 2 आबादियों, *प्रिंसेपिया यूटिलिस* की 3 आबादियों और *पुनिका ग्रेनाटम* की 1 आबादियों से पादप सामग्री को उनके रासायनिक परीक्षण के लिए एकत्रित किया गया। *क्यूप्रेसस टोरुलोसा, प्रिंसेपिया यूटिलिस, डायसोजायलम गोटाधोरा* और *बैम्बुसा बैम्बोस* के प्रतिदर्शों को डीडी पादपालय में शामिल किया गया।
- जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा पोषित परियोजना 'पूर्वोत्तर क्षेत्र के कुछ उच्च मूल्य के विलुप्तप्राय औषधीय पादपों की जनसंख्या जीवविज्ञान, लक्षण वर्णन और संरक्षण पर जांच' के अन्तर्गत, अरुणाचल प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में उगाई जाने वाली *वैलेरियाना जटामांसी* की 5 और 7 आबादियों में सगंध तैल अंश निर्धारित किए गए।
- पुनर्भरण अध्ययन के अन्तर्गत मानसून के बाद के संदर्भ स्तर को मापने के लिए गंगा नदी और इसकी सहायक नदियों में सात खनन स्थलों का सर्वेक्षण किया गया।
- पुनर्भरण अध्ययन के लिए यमुना नदी के मानसून के बाद के संदर्भ स्तर का सर्वेक्षण और मापन किया गया। कणों के आकार के वितरण विश्लेषण के लिए नदी तल सामग्री (आर.बी.एम.) के प्रतिदर्श एकत्रित किए गए और थोक घनत्व भी देखा गया, जो 1387 से 1566 किग्रा/मी.^{3} के बीच था। नदी की रेत का विस्तार कारक 1.35 से 1.55 के बीच था।
- चूनाखाला पुनरूद्धारित खदान क्षेत्र में मिट्टी की श्वसन दर 1.45 और 5.30 $\mu mol\, m^{-2}\, sec^{-1}$ के बीच थी, जबकि चूनाखाला प्राकृतिक वन क्षेत्र में यह दर 0.3 और 6.39 $\mu mol\, m^{-2}\, sec^{-1}$ के बीच थी। इस भिन्नता को मृदा तापमान का गुण माना जा सकता है।
- हाइड्रोलॉजिकल सेवाओं के आकलन के लिए मसूरी जलसंभर अध्ययन स्थल पर एच फ्लूम्स में दो स्वचालित जल स्तर रिकॉर्डर स्थापित किए गए।
- 'जैव–संरोपण तकनीक का उपयोग करके जैव सक्रिय पादप यौगिक के उत्पादन के लिए *एंजेलिका ग्लौका* एज्यू मूलिका जैवमास के पात्रे मास प्रवर्धन' परियोजना के अन्तर्गत पादप प्रतिदर्श को एकत्रित करने के लिए चकराता, धनोल्टी, मसूरी और आसपास के क्षेत्रों में सर्वेक्षण किया गया। जॉर्ज एवरेस्ट चोटी के पास संकटापन्न पादप *एंजेलिका ग्लौका* का एक नया वितरण स्थल भी अभिलिखित किया गया।

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- राजस्थान के जैसलमेर जिले में प्रजातियों के जैव नामांकन के लिए *ऐनोगाइसस सेरिसिया किस्म., न्यूमूलेरिया, टेकोमेला अंडुलाटा, प्रोसोपिस सिनेरेरिआ सेल्वाडोरा ओलियोइड्स, कैप्परिस डेसीडुआ* आदि सहित कई वृक्ष प्रजातियों को अभिलिखित किया गया। प्रजातियों में से *ए.सेरिसिया किस्म. न्यूमूलेरिया, टी. अंडुलाटा* और *मेटेनस इमर्जिनैटस* में पुष्पण दशा, जबकि *हेलोक्सिलॉन सैलिकोर्निकम, ज़िजीफस न्यूमुलेरिया* और *जेड मॉरिटियाना* में फल विन्यसन पाया गया। एक स्थान पर *ए. सेरिसिया* के वृक्षों की तना परिधि 100 सेमी से 220 सेमी और ऊंचाई 15 से 40 फीट तक थी।
- सीता माता वन्य जीव अभयारण्य में संरक्षण भूखंड के लिए 10 हेक्टेयर क्षेत्र को अंतिम रूप दिया गया। प्रजातियों की विविधता का आकलन किया गया और *जिम्नोस्पोरिया* प्रजा., *टैक्टोना ग्रैण्डिस, ऐनोगाइसस लैटिफोलिआ, हेलिक्टेरस आइसोरा, मिलियुसा टोमेंटोसा, राइटिया टिन्कटोरिआ, टर्मिनेलिआ अलाटा, एरेन्थेमम रोजियम, स्ट्रोबिलान्थस कॉलोसस, ब्यूटिया मोनोस्पर्मा, पेरिस्टीलस कॉन्स्ट्रिक्टस* (ग्राउंड ऑर्किड) और *वांडा* प्रजा. (एपिफाइटिक ऑर्किड) अभिलिखित किए गए। संरक्षण भूखंड में दुर्लभ प्रजातियां *काइडिया कैलिसिना* और *मित्रज्ञना पर्विफ्लोरा* भी पाए गए।

परामर्श

- वर्तमान में भा.वा.अ.शि.प. 09 परामर्श परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है। दिसम्बर 2020 के दौरान निम्नलिखित कार्य किए गए :
  - वर्ष 2019–20 के लिए भारत के सात अलग–अलग राज्यों में 10 मिलियन वृक्षारोपण के लिए राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम लिमिटेड के त्वरित वनरोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत रोपण के अनुश्रवण पर अंतिम वार्षिक प्रतिवेदन राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम लिमिटेड को प्रस्तुत किया गया।
  - उत्तराखंड के चमोली जिले में विष्णुगढ़ पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना के सीएटी योजना के अन्तर्गत क्रियान्वित गतिविधियों के तृतीय पक्ष के अनुश्रवण का सातवां प्रतिवेदन टी.एच.डी.सी. इंडिया लिमिटेड, ऋषिकेश को प्रस्तुत किया गया।

वेबिनार/संगोष्ठी/बैठकें

क्र.सं.	विषय	अवधि	लाभार्थी
	भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून		
1.	भा.वा.अ.शि.प. पेंशनभोगी पोर्टल की प्रगति पर दूसरी बैठक	4 दिसम्बर 2020	वैज्ञानिक एवं कार्मिक
2.	भा.वा.अ.शि.प. पेंशनभोगी पोर्टल की प्रगति पर तीसरी बैठक	12 दिसम्बर 2020	वैज्ञानिक एवं कार्मिक
	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
3.	वन जैव प्रौद्योगिकी पर संयुक्त कार्यक्रम के विकास के लिए विचारमंथन बैठक	11 दिसम्बर 2020	डी.बी.टी., भारत सरकार, नई दिल्ली एवं भा.वा.अ.शि.प.
4.	ग्राम स्तर पर जंगली फलों के प्रसंस्करण के अवसरों और संभावनाओं पर संवादात्मक बैठक	11 दिसम्बर 2020	निदेशक, उत्तरांचल युवा एवं ग्रमीण विकास केंद्र (गैर सरकारी संगठन)
5.	बांस वर्गिकी में आधुनिक प्रवृत्तियों पर वेबिनार	18 दिसम्बर 2020	व.अ.सं. के अधिकारी

बांस वर्गिकी में आधुनिक प्रवृत्तियों पर वेबिनार

	काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु		
6.	'वन गतिशील भूखंडः वनस्पतियों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के पदचिह्नों का पता लगाना' पर वेबिनार	2 दिसम्बर 2020	शोधार्थी
	हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला		
7.	आजीविका समर्थन एवं आर्थिक विकास के लिए वन एवं वन उत्पादों के प्रबंधन पर संगोष्ठी	2–29 दिसम्बर 2020	वैज्ञानिक, वन अधिकारी और तकनीकी अधिकारी

	वन उत्पादकता संस्थान, रांची		
8.	वन सीमांत ग्रामीणों के लिए अतिरिक्त आजीविका के उत्पादन के लिए एक महत्त्वपूर्ण वृक्ष प्रजाति *सिन्नामोमम तमाला* पर वेबिनार	16 दिसम्बर 2020	वैज्ञानिक, राज्य वन विभाग बिहार एवं पश्चिम बंगाल से अधिकारियों सहित संस्थान के तकनीकी कर्मचारी और बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची से प्रोफेसर।
	वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद		
9.	जंगल की आगः अनुसंधान और ज्ञान प्रबंधन तथा वर्तमान परिदृश्य पर संगोष्ठी	16 दिसम्बर 2020	व.जै.सं. के अधिकारी

प्रशिक्षण

क्र.सं.	विषय	अवधि	लाभार्थी
	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
1.	जंगल की आग का अनुश्रवण और क्षति का आकलन	7 और 8 दिसम्बर 2020	भा.व.से. अधिकारी

जंगल की आग का अनुश्रवण और क्षति के आकलन पर प्रशिक्षण

	वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर		
2.	जनजातियों की आजीविका सहायता के लिए काष्ठ जैवमास तथा नगरपालिका अपशिष्ट का उपयोग करके वृक्ष समृद्ध जैवबूस्टर का विकास	23 दिसम्बर 2020	कोंडानुर गांव से महिला स्वयं–सहायता समूह (डब्ल्यू.एस.एच.जी.)
	काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु		
3.	पौधशालाओं, रोपणों एवं वनों में एकीकृत कीट एवं रोग प्रबंधन	21 और 22 दिसम्बर 2020	भा.व.से. अधिकारी

	उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर		
4.	वणिज्यिक रूप से महत्त्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियों के बीज, रोपण और प्रबंधन तकनीकों पर क्षमता निर्माण	8 दिसम्बर 2020	छत्तीसगढ़ के वन अधिकारी
5.	टीक निष्पत्रक और टीक कंकालक का जैव नियंत्रण	13 और 15 दिसम्बर 2020	कठघोड़ा और कोरबा वन प्रभाग (छत्तीसगढ) के अग्रिम पंक्ति के कर्मचारी
	शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर		
6.	भंगुर रेगिस्तानी पारिस्थितिकी तंत्र के संवहनीय विकास के लिए एकीकृत दृष्टिकोण	14 से 18 दिसम्बर 2020	भारत के विभिन्न राज्यों से भा.व.से. अधिकारी
	वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट		
7.	संवहनीय आजीविका के लिए बांस संसाधन विकास और मूल्य वर्धन	7 से 11 दिसम्बर 2020	भा.व.से. अधिकारी
8.	बांस चारकोल उत्पादन और ब्रिकेटिंग	9 से 12 दिसम्बर 2020	कारबी आंगलोंग के ग्रमीण एवं किसान
9.	कृषि वानिकी और भूमि उपयोग प्रबंधन	14 से 18 दिसम्बर 2020	अधिकारी एवं शोधकर्ता

संवहनीय आजीविका के लिए बांस संसाधन विकास और मूल्य वर्धन पर प्रशिक्षण

	वन उत्पादकता संस्थान, रांची		
10.	जी.आई.एस. और सुदूर संवेदन पर उन्नत प्रशिक्षण	1 से 4 और 7 दिसम्बर 2020	भा.वा.अ.शि.प. संस्थान के वैज्ञानिक और वैज्ञानिक कर्मचारी
11.	वैज्ञानिकों हेतु एकीकृत कीट एवं रोग प्रबंधन	8 और 9 दिसम्बर 2020	भा.वा.अ.शि.प. संस्थान के अधिकारी
	वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद		
12.	चन्दनकाष्ठ की खेती, पौधशाला तकनीक, रोग एवं कीट प्रबंधन, विपणन एवं विभागीय अनुमति	28 दिसम्बर 2020	तेलंगाना के किसान

13.	रक्त चन्दन की खेती, पौधशाला तकनीक, रोग एवं कीट प्रबंधन, विपणन एवं विभागीय अनुमति	29 दिसम्बर 2020	आंध्र प्रदेश के किसान
14.	अकाष्ठ वन उत्पाद एवं औषधीय पादपों का महत्त्व एवं उपयोगिता	30 दिसम्बर 2020	तेलंगाना के किसान
15.	कृषि वानिकी प्रतिरुप	31 दिसम्बर 2020	आंध्र प्रदेश के किसान

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

16.	"चिलगोजा के संरक्षण और इसके स्थायी प्रबंधन की आवश्यकता"	1 और 2 दिसम्बर 2020	पूह वन रेंज किन्नौर के कानम पंचायत के किसान
17.	*पाइनस जिरार्डियाना* एवं *राईबीज* प्रजा. का प्रवर्धन और आधुनिक पौधशाला तकनीक	19 दिसम्बर 2020	हिमाचल प्रदेश का जनजातीय प्रभाग

"चिलगोजा के संरक्षण और इसके स्थायी प्रबंधन की आवश्यकता" पर प्रशिक्षण

समझौता ज्ञापन

भा.वा.अ.शि.प., देहरादून ने वानिकी अनुसंधान, शिक्षा एवं विस्तार के क्षेत्र में सहयोग के लिए हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) श्रीनगर के साथ विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 14 दिसम्बर 2020 को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

मानव संसाधन समाचार

नियुक्ति

अधिकारी का नाम	तिथि
श्रीमती श्रुति गोधरा, वैज्ञानिक – 'बी', व.व.अ.सं., जोरहाट	01.12.2020
श्री ततिपर्थी श्रीनिवास, वैज्ञानिक – 'बी', एफ.आर.सी.सी.ई., विशाखापटनम	07.12.2020
श्री सुमंत्रा बासु, वैज्ञानिक – 'बी', शु.व.अ.सं., जोधपुर	10.12.2020
श्री विश्वनाथ शर्मा, वैज्ञानिक – 'बी', व.व.अ.सं., जोरहाट	14.12.2020
श्रीमती निवेदिता गुरु, वैज्ञानिक – 'बी', व.अ.सं., देहरादून	14.12.2020
श्री बालगणेश जी., वैज्ञानिक – 'बी', व.अ.सं., देहरादून	16.12.2020
श्री प्रवीण रावत, वैज्ञानिक – 'बी', हि.व.अ.सं., शिमला	18.12.2020
श्री बालकृष्ण तिवारी, वैज्ञानिक – 'बी', हि.व.अ.सं., शिमला	18.12.2020
श्री दीपक कुमार, वैज्ञानिक – 'बी', शु.व.अ.सं., जोधपुर	18.12.2020
श्रीमती भारती पटेल, वैज्ञानिक – 'बी', व.जै.वि.सं., हैदराबाद	22.12.2020
श्री ब्लेसिंग रॉय सूचियांग वैज्ञानिक – 'बी', व.उ.सं., रांची	28.12.2020
श्री अंशुमन दास, वैज्ञानिक – 'बी', व.उ.सं., रांची	29.12.2020

प्रत्यावर्तन

अधिकारी का नाम	तिथि
श्री चतुर्भुज बेहेरा, भा.व.से.,सी.एफ.,उ.व.अ.सं., जबलपुर	28.12.2020

स्थानांतरण

अधिकारी का नाम	से	को	तिथि
डॉ. गीता जोशी वैज्ञानिक – 'एफ'	उ.व.अ.सं. जबलपुर	भा.व.अ.शि.प. देहरादून	16.12.2020

सेवानिवृत्ति

अधिकारी का नाम	तिथि
श्री जे.एम.एस. चौहान, वैज्ञानिक – 'डी', व.अ.सं., देहरादून	31.12.2020

सरंक्षक:
श्री अरूण सिंह रावत, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून
संपादक मंडल:
डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक
श्री रमाकान्त मिश्र, मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार), सदस्य

प्रत्याख्यान
- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में, प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।